डाक पंजी. संख्या UA/DO/DDN/151/2016-2018

हरिद्वार, 8 फरवरी, 2018

स्वदेश स्वाभिमान

मासिक

R.N.I. No.: UTTHIN/2013/51354

www.swadeshswabhiman.com

www.facebook.com/swadeshswabhiman

वर्ष 05 अंक 06 पृष्ठ 4+8 ₹ 3/-

विषयों से भरे इस जगत में प्राण और मन को टूटने-फूटने से बचाने के लिए आत्म-सुरक्षा का 'ब्रह्मचर्य' ही एकमात्र माध्यम है।

जहाँ व्यक्ति एवं राष्ट्र-निर्माण अखण्ड यज्ञ चल रहा हो, वहाँ अपने जीवन की आहुति दे दो। नये अनुष्ठान का आरम्भ सर्वत्र उचित नहीं होगा।

गुरुवाणी

सफल एवं सुखीजीवन के सूत्र—

हमारे दुःख का सबसे बड़ा कारण — हम अज्ञान के कारण एक अभाव, अपूर्णता, अधूरापन, न्यूनता या अल्पता का अनुभव करते रहते हैं तथा संसार के किसी व्यक्ति वस्तु या साधनादि के द्वारा हम उसकी पूर्ति करना चाहते हैं। वास्तविकता यह है कि भगवान ने हम सब मनुष्यों व इस पूरे अस्तित्व में सब प्रकार की पूर्णता, सुख व सर्वविध ऐश्वर्य दिया हुआ है। जो स्वयं में तथा समष्टि में सब प्रकार की पूर्णता अनुभव करता है वह मनुष्य कभी भी अभाव व दुःख का अनुभव नहीं करेगा।।

दुःख का निवारण कैसे करें? — सब मनुष्यों व मनुष्येतर जीवों व सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में भगवान ने जो पूर्णता प्रदान की हुई है उसमें पूर्ण संतुष्ट सुखी व आनन्दित रहें तथा बीजरूप में परमेश्वर ने हमें जो दिव्य ज्ञान, दिव्य भाव, दिव्य सामर्थ्य तथा दिव्य साधन दिए हुए हैं इनका अपने पुरुषार्थ से विस्तार व विकास करें, साथ ही वेदानुकूल आचरण करते हुए जीवन का प्रयोजन पूरा करें। वेदानुकूल आचरण को ही हम शब्दान्तर से शास्त्रानुकूल, गुरु के अनुकूल या आत्म-अनुकूल आचरण आदि शब्दों से कहते हैं।

मुक्ति व बंधन — हम सब आत्मा स्वभाव से ही नित्य शुद्ध बुद्ध, मुक्त स्वभाव व सच्चिदानन्द हैं। जो हम स्वभाव से हैं उसे सदा अनुभव करना मुक्ति है तथा जो हम नहीं हैं उसे अज्ञान, मिथ्याज्ञान, भ्रान्तज्ञान या अल्पज्ञान के कारण या दूसरे शब्दों में कहें तो गलत ज्ञान, गलत अभ्यास एवं गलत विश्वासों के कारण अपना मानकर दुःखी होते रहना यही बंधन है।।

मुक्ति के सन्दर्भ में भ्रान्तियाँ — मैंने बचपन से एक आध्यात्मिक योगी जीवन जीया है। आध्यात्मिक जीवन जीने वाले अधिकांश लोगों में मैंने मुक्ति के सन्दर्भ में एक बहुत बड़ी भ्रान्ति अनुभव की है और वह यह है कि जिसे देखो वही मुक्ति पाना चाहता है परन्तु मुक्ति के साधनों की तरफ जितना ध्यान होना चाहिए उतना अधिक ध्यान नहीं होता। मुक्ति के साधन हैं शुद्ध ज्ञान, शुद्ध कर्म, शुद्ध भक्ति अर्थात् उपासना, दो शब्दों में कहें तो निष्काम निःस्वार्थ सेवा तथा भगवान में अनन्य प्रीति। पवित्र आचरण करते हुए जब जीवन में निरन्तर अखण्ड प्रचण्ड पुरुषार्थ व परमार्थ करते रहते हैं तो मुक्ति तो एक सहज परिणाम है पवित्रता का, शुभ आचरण का वह पाई नहीं जाती सहज मिल जाती है। जैसे बीज बोओ फल अपने आप मिलेगी। साधन बीजरूप हैं मुक्ति फल की तरह है।।

स्वामी रामदेव

आयुर्वेद अमृत

आयुर्वेद में वर्णित अजीर्ण का स्वरूप, कारण व भेद

तथैव क्षीरसात्म्यस्य परं चैतद्रसायनम्।
दृढोपचितगात्रश्च निर्मेदस्को जितश्रमः॥

इसी प्रकार क्षीरसात्म्य व्यक्ति को भी उपरोक्त गुण प्राप्त होते हैं। क्षीर (दूध) परम रसायन होता है। इसका सेवन करने वाला व्यक्ति दृढ़ व पुष्ट शरीर वाला, मोटापे से रहित व श्रम करने में समर्थ होता है।

स शनैर्हितमादद्यादहितं च शनैस्त्यजेत्।

हितकर पदार्थों को सात्म्य करने के लिए धीरे-धीरे उनका सेवन आरम्भ करना चाहिए तथा अहितकर पदार्थों का धीरे-धीरे परित्याग कर देना चाहिए। इस प्रकार से सात्म्य हो जाते हैं। किसी पदार्थ का निरन्तर व दीर्घकाल तक सेवन उसे सात्म्य बना देता है।

आदौ तु स्निग्धमधुरं विचित्रं मध्यतस्तथा।
रूक्षद्रवावसानं च भुञ्जानो नावसीदति।

भोजन के आरम्भ में स्निग्ध व मधुर पदार्थ लेने चाहिए। मध्य में विचित्र अर्थात् नाना स्वाद वाले पदार्थ लेने चाहिए। भोजन के अन्त में रूक्ष व द्रव पेय पदार्थ लेने चाहिए। इस क्रम से भोजन करने वाला व्यक्ति स्वस्थ रहता है तथा रोगजन्य कष्ट नहीं पाता है।

भागद्वयमिहान्नस्य तृतीयमुदकस्य च।
वायोः सञ्चरणार्थं च चतुर्थमवशेषयेत्।

उदर (पेट) के दो भाग अन्न से भरे, तीसरा भाग जल से भरे तथा चौथा भाग वायु के संचारण हेतु खाली रखना चाहिए।

ततो मुहूर्तमाश्वस्य गत्वा पादशतं शनैः।
स्वासीनस्य सुखेनान्नमव्यथं परिपच्यते॥

तदनन्तर मुहूर्तभर विश्राम करके सौ कदम धीरे-धीरे चलकर सुखपूर्वक बैठकर अपना दैनिक कर्म करें। इस प्रकार करने से बिना कष्ट के सुखपूर्वक अन्न पच जाता है।

वीणावेणुस्वनोन्मिश्रं गीतं नाट्यविडम्बितम्।
विचित्राश्च कथा: शृण्वन् भुक्त्वा वर्धयते बलम्॥

भोजन के उपरान्त वीणा, वेणु (बांसुरी) के स्वर से मिश्रित अभिनयपूर्ण गीत सुनने चाहिए। इसी प्रकार विचित्र मनोरंजक कथाओं का श्रवण करना चाहिए। इस प्रकार करने से मन की प्रसन्नता व बल बढ़ता है।

आचार्य बालकृष्ण

ई-कॉमर्स अभियान: 'हर द्वार' तक उत्पाद पहुंचाने के लिए पतंजलि की नई पहल, आठ ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ किया सहयोग

ऑनलाइन मिलेंगे पतंजलि के उत्पाद

नई दिल्ली। पहले ही एफएमसीजी सेक्टर में काफी उथल-पुथल मचा चुकी पतंजलि आयुर्वेद अब ई-कॉमर्स के जरिये धमाका करने जा रही है। पतंजलि आयुर्वेद ने एक साथ ई-कॉमर्स क्षेत्र की आठ बड़ी कंपनियों के जरिये अपने उत्पादों की बिक्री शुरू करने का एलान किया है। इसका मतलब हुआ कि अब पेटीएम, अमेजन, ग्रोफर्स, बिगबास्केट, शॅपक्लूज, नेटमेड्स, 1एमजी जैसी ई-कॉमर्स वेबसाइटों के जरिये ग्राहक पतंजलि के उत्पाद घर बैठे मंगवा सकेंगे। यही वजह है कि कंपनी ने अपने ई-कॉमर्स अभियान का नाम 'हरिद्वार से हर द्वार' तक रखा है। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि ई-कॉमर्स के जरिये पहले वर्ष में ही कंपनी को 1000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व हासिल होगा।

> ▪ 20 हजार नई भर्तियों से देश के दूर-दराज इलाकों में भी तेजी से विस्तार होगा।

श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कम्पनी की भावी योजना का पूरा प्रारूप भी पेश किया और उम्मीद जताई है कि कम्पनी जल्द ही 1,00,000 करोड़ रुपये की उत्पादन क्षमता हासिल कर लेगी। वैसे अभी कंपनी की उत्पादन क्षमता 50 हजार करोड़ रुपये का सालाना उत्पादन करने की है। उन्होंने बताया कि कंपनी 20 हजार नई भर्तियों करने जा रही है ताकि देश के दूर दराज इलाकों में भी तेजी से विस्तार किया जा सके। कंपनी नोएडा, नागपुर और इंदौर में तीन नये प्लांट लगाने जा रही है। नागपुर प्लांट का पूरा फोक्स निर्यात पर होगा। कंपनी अगले वित्त वर्ष से निर्यात बाजार में उतरने की इच्छुक है। कंपनी पूरी दुनिया में अपने उत्पाद बेचेगी। इसमें साउथ अमेरिका से लेकर यूरोप तक के बाजार शामिल हैं। वैसे ग्रामीण भारत में भी कंपनी तेजी से पैर फैलाने की रणनीति बना चुकी है। ग्रामीण क्षेत्रों के 50 हजार नये किराना स्टोरों में पतंजलि के उत्पाद उपलब्ध होंगे। कंपनी पांच हजार एक्सक्लूसिव पतंजलि स्टोर भी खोलने जा रही है।

कम्पनी जल्द ही कुछ नये वर्ग में भी उत्पाद पेश करने जा रही है। बोतलबंद पेयजल में उतरने की पूरी तैयारी हो चुकी है। इसी वर्ष से परिधान नाम से कपड़ों का ब्रांड भी बाजार में उतार दिया जाएगा। ये सारे नये उत्पाद भी ई-कॉमर्स वेबसाइटों के जरिये बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। कंपनी स्वदेश समृद्धि नाम से रॉयल्टी कार्ड भी लांच करने जा रही है। कंपनी इससे पांच करोड़ नये ग्राहकों को अपने कारोबार से जोड़ने जा रही है। अभी कंपनी के उत्पाद तकरीबन 15-20 लाख किराना स्टोरों से उपलब्ध हैं। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा है कि अभी भी 75 फीसद किराना स्टोरों में उनके उत्पाद नहीं पहुंच पा रहे हैं लेकिन इस वर्ष ज्यादा से ज्यादा स्टोरों को जोड़ने की योजना है। *—साभार:जागरण**

नागालैंड में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास संस्थान का हुआ शिलान्यास

नागालैंड। नागालैंड राज्य के माननीय मुख्यमंत्री, मा. श्री जीलियांग जी ने राज्य में पतंजलि समूह द्वारा बनाई गई कई निवेश की घोषणा की, निलंड में एक इंजीनियरिंग कॉलेज की नींव का आधार रखने के बाद, एक पैरा मेडिकल और नर्सिंग कॉलेज, आयुर्वेदिक कॉलेज, प्रबंधन कॉलेज और एक राष्ट्रीय संस्थान पेंगलवा में फैशन टेक्नोलॉजी पतंजलि के संस्थापक, फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स कंपनी की अनुमानित राजस्व 1.7 बिलियन अमरीकी डॉलर के साथ, निकटतम सहयोगी पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी के साथ श्रद्धेय स्वामी जी महाराज इन परियोजनाओं की घोषणा के कार्यक्रमों के दौरान मौजूद थे।

योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने पहले कहा था कि उनका मिशन सभी भारत को स्वस्थ, वैज्ञानिक और धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में देखना है। उन्होंने कहा कि पतंजलि एक ऐसा संस्थान है जो आत्मनिर्भरता और समर्थन करती है और एक गैर लाभदायक संगठन है। उन्होंने परिभाषित किया कि भगवान एक हैं और इसलिए हमारा दर्शन साथी मनुष्यों से अच्छे इंसान को लाने के लिए होना चाहिए। नागालैंड के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, उन परियोजनाओं के लिए नागालैंड में निवेश करने के लिए योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज और पूज्य आचार्य श्री के मार्गदर्शन पर चले हुए, जीलियांग ने कहा कि ये परियोजनाएं गुणवत्ता स्वास्थ्य देखभाल, युवाओं के लिए रोजगार और एक फैशन आदि में वैकल्पिक कैरियर उन्होंने कहा कि नागालैंड की 60% जनसंख्या 25 वर्षों में कम आयु के लोगों की है, जो कड़ी मेहनत कर रहे हैं और उन्हें सपने देखने की क्षमता है। नागालैंड सरकार की यह पहल एक मॉडल है जिसमें सरकार जमीन उपलब्ध कराएगी और पतंजलि परियोजनाओं में निवेश करेगी।

.....शेष पेज नं.4 में

संस्थान समाचार

पतंजलि योगपीठ के 23वें स्थापना दिवस पर श्रद्धेय स्वामी जी महाराज, पूज्य आचार्य श्री एवं कवि हरिओम पंवार जी।

नागालैंड के पेरिन में नागालैंड मुख्यमंत्री टी.आर. जीलियान, गृहमंत्री खुजोहोलिया नीना, श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं पूज्य आचार्य श्री एवं श्री एन थोमस नोथिया जी हेल्थ एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट केंद्र का शिलांयास।

69वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर पूज्य स्वामी जी महाराज एवं श्रद्धेय आचार्य श्री।

सिक्किम ऑरगेनिक महोत्सव मुख्यमंत्री मा.श्री पवन चामलिंग जी, पूज्य आचार्य श्री व कृषि मंत्री श्री सोमनाथ पोडल जी द्वारा दीपप्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया।

दिल्ली प्रेस कॉन्फ्रेंस में पतंजलि आयुर्वेद द्वारा ई-कॉमर्स क्षेत्र की आठ बड़ी कम्पनियों में प्रवेश पर श्रद्धेय स्वामी जी महाराज व पूज्य आचार्य श्री।

दोवास, न्यूजलेंड में पतंजलि की ओर से योग व आयुर्वेद का आचार्य भारद्वाज व आचार्य स्मित World Economic Forum में योग का प्रतिनिधित्व किया।

पतंजलि योगपीठ में राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का महाकुम्भ का शुभारम्भ।

चंडीगढ़ में TED X कार्यक्रम में पूज्य आचार्य श्री द्वारा युवाओं को योग, आयुर्वेद, स्वदेशी व संस्कृति पर उद्बोधन।

आध्यात्म चेतना संघ द्वारा पूज्य आचार्य श्री को "गीता रत्न" से सम्मानित किया गया।

खास खबर: फ्रांस की कंपनी ने पतंजलि योगपीठ में 50 करोड़ डॉलर निवेश करने की पेशकश की

पतंजलि को ग्लोबल बनाने की तैयारी

हरिद्वार। फ्रांस की एक कम्पनी (एलवीएमएच लेगेट्री ग्रुप) ने पतंजलि योगपीठ में 50 करोड़ डॉलर निवेश करने की पेशकश की है। कम्पनी चाहती है कि यदि श्रद्धेय स्वामी जी महाराज भारत से बाहर अपना ब्रांड खड़ा करना चाहते हैं तो और भी बड़ा ऑफर दिया जा सकता है। कम्पनी की एशियन यूनिट एल कैटटर्न के प्रबंध निदेशक रवि ठकरान ने सीधे श्रद्धेय स्वामी जी महाराज को ऑफर दिया है।

फ्रांस में एलवीएमएच ग्रुप की वही ख्याति है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यूनिलिविर की है। पतंजलि आयुर्वेद फ्रांस की कम्पनी के लिए आकर्षण का सबसे बड़ा केंद्र है। पतंजलि में हिस्सेदारी खरीदने के लिए एलवीएमएच, एशिया के बड़े ग्रुप एफएमसीजी के साथ भी

श्रद्धेय आचार्य श्री को डीलिट की उपाधि से सम्मानित किया

हरिद्वार। स्वामी विवेकानन्द जी की 155वीं जयंती के अवसर पर बंगलूरू में योग की प्रतिष्ठित संस्था स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान ने पतंजलि योगपीठ के महामंत्री पूज्य आचार्य श्री को डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया। पूज्य आचार्य श्री को यह सम्मान उनके योग और आयुर्वेद के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए दिया गया है पूज्य आचार्य श्री के दिशा निर्देशन में योग और आयुर्वेद को लेकर बड़े स्तर पर अनुसंधान चल रहा है। लोग बचपन से ही योग से जुड़ें इसके लिए पूज्य आचार्य श्री ने खेल-खेल में योग नाम की पुस्तक लिखी। इसमें योग का मनोरंजक तरीके से प्रस्तुतिकरण किया गया है। इसके अतिरिक्त योग से संबंधित अज्ञात, सूक्ष्म एवं प्राचीन विषयों का प्रस्तुतीकरण 'योग-विज्ञान' नामक ग्रंथ में किया गया है जो कि उनकी अद्भुत रचनाओं में से एक है। योग को वैज्ञानिकता की कसौटी पर कसते हुए उन्होंने 'विज्ञान की कसौटी पर योग' नामक पुस्तक की रचना कर डाली। इसमें योग के वैज्ञानिक पक्ष को उजागर किया गया है।

*–साभारः अमर उजाला**

23वाँ स्थापना दिवसः चैरिटी से बदलेंगे देश की सूरत

योगपीठ के स्थापना दिवस पर बोल श्रद्धेय स्वामी जी महाराज पतंजलि खर्च करेगी एक लाख करोड़

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ के 23वें स्थापना दिवस समारोह में योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि पतंजलि ने देश में योग और आयुर्वेद को नया स्वरूप देकर इसे विश्वपटल पर पुनः स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। देश की सूरत बदलने के लिए पतंजलि आने वाले वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये चैरिटी पर खर्च करेगी।

बनी बनाई लकीरों की बजाय नई राहें खोजनी होंगी : आचार्य श्री।

श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि पतंजलि का अर्थ भरोसा है। हमने लोगों के भरोसे के साथ विज्ञान और पुरातन संस्कृति को जोड़ा है। दुनिया का सबसे बड़ा फूड पार्क, पतंजलि योगपीठ ने स्थापित किया है। यही वजह है कि पतंजलि को एफएमसीजी वर्ग की 11000 कंपनियों में 'इंडियाज मोस्ट ट्रस्ट एफएमसीजी ब्रांड' से नवाजा गया है। पतंजलि स्वदेशी आंदोलन के विषय में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि 15 अगस्त को हमने सवा करोड़ लोगों को पूर्ण स्वदेशी का संकल्प दिलाया था। आगे लगभग पांच करोड़ लोगों को संकल्प दिलाएंगे। उन्होंने बताया कि पतंजलि 11 हजार करोड़ की चैरिटी कर चुका है। भविष्य में उसने एक लाख करोड़ की चैरिटी करने की लक्ष्य करोड़ की चैरिटी करने का लक्ष्य रखा है। पतंजलि, गुरुकुलम् और आचार्यकुलम् के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में भी देश को स्वतंत्र बना रहे हैं। 10-15 वर्षों में पतंजलि नालंदा व तक्षशिला से भी बड़ा शिक्षा केन्द्र बनेगा। वर्ष 2018 के मध्य तक लगभग 10 हजार विद्यार्थियों के लिए विद्यासंकुल का निर्माण किया जा रहा है। पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने कहा कि यह स्थापना दिवस सबके लिए प्रेरणा दिवस बन सकता है। हमें बनी बनाई लकीरों की बजाय नई राहें खोजनी चाहिए। वाह्य परिस्थितियों, विकारों से विचलित हुए बिना अपनी शक्ति का पूर्ण उपयोग करते हुए सफलता के शिखर पर चढ़ते जाना है। कहा कि पड़ोसी देश भूटान और म्यांमार में भी योगपीठ का परचम लहराया है। राष्ट्रीय कवि हरिओम पंवार जी ने कहा कि पतंजलि व्यापार नहीं भारत माता का प्यार है। उन्होंने देश के सैनिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए देशभक्ति से ओतप्रोत कविता प्रस्तुत कर समां बांधा। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के मुख्य महाप्रबंधक ललित मोहन ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुमन जी, डॉ. जयदीप आर्य जी, विधायक पद्म हजारिका, फिल्म निदेशक तरुण राठी, आचार्यकुलम् के निदेशक एलआर सैनी, डॉ. डीएन शर्मा जी प्रतिकुलपति कुलवंत वाचस्पति आदि उपस्थित रहे।

*–साभारः उमर उजाला**

बैठकः महिला पतंजलि योग समिति का संकल्प– महिलाओं को जागृत करनाः आचार्या डॉ. सुमना

योग और प्राणायाम का प्रचार कर, दैनिक जीवन में आवश्यक वस्तुओं का बाजार में अच्छा प्रदर्शन कर, चिकित्सा के क्षेत्र में आयुर्वेद का प्रचार कर अब योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज शिक्षा के क्षेत्र में मूलभूत परिवर्तन की तैयारी कर ली है। योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज व पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी के मार्गदर्शन में एक विशेष शिक्षा समिति का गठन किया है। यह समिति आने वाले वर्षों में 5000 से अधिक आचार्यकुलम् आरम्भ करेगी ऐसा महिला मुख्य केन्द्रीय प्रभारी-महिला पतंजलि योग समिति आदरणीया आचार्या डॉ. सुमना जी ने बताया।

हमारे देश की स्वतंत्रता को 70 वर्ष पूरे होने के बाद भी गुनाहों में वृद्धि होती जा रही है। अभी की शिक्षा पद्धति में छात्रों को अच्छे विचार और गुणों को देने में असमर्थ रही है। देश में भ्रष्टाचार, कन्या भ्रूणहत्या, बलात्कार एवं हत्या आम बात हो गई है। इन सब आमनवीय कार्यों का मुख्य कारण भारतीय वैदिक शिक्षा का आभाव है। डॉ. सुमना जी ने बताया कि पतंजलि योगपीठ द्वारा बनाये गये शिक्षा प्रणाली में विज्ञान, अध्यात्म, संस्कार एवं आधुनिक तकनीक को शामिल किया है। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार महिला संघटन में 25 से 30 लाख महिलायें सदस्य हैं। एक करोड़ से अधिक महिलायें योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज से जुड़ी है। भविष्य में शिक्षा पद्धति द्वारा महिलाओं का सशक्तिकरण करने का लक्ष्य महिला-विभाग का है।

*–साभारः दैनिक जागरण**

जागरूकताः योग को बढ़ावा देने को लगाए जाएंगे शिविर

करनाल। पतंजलि योग समिति के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी डॉ. जयदीप आर्य जी ने समिति व भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक करके सभी प्रखण्डों व पाँचों तहसीलों में योग शिविर लगाने के निर्देश जारी किए। यह शिविर आगामी 31 मार्च से 10 अप्रैल के बीच लगाए जाएंगे। डॉ. जयदीप आर्य जी ने कहा कि युवाओं को योग कार्यक्रमों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए। योग से संस्कारों व विचारों में सकारात्मक परिवर्तन आता है। उन्होंने कहा कि पतंजलि योग समिति योग के साथ-साथ समृद्धि भी दे रही है। पूरे देश में योग प्रचारक नियुक्त किए गए हैं। विदेशों में योग आजीविका का साधन बन गया है। डॉ. जयदीप आर्य जी ने योग कक्षाओं का निरीक्षण भी किया व स्वदेशी को जन-जन तक पहुँचाने के प्रति प्रोत्साहन किया, वह प्रेमनगर, शिव कॉलोनी, जाटो गेट, सेक्टर-13 योग कक्षा में पहुंचे।

गणतंत्र दिवसः देश को आर्थिक गुलामी से दिलानी है मुक्ति

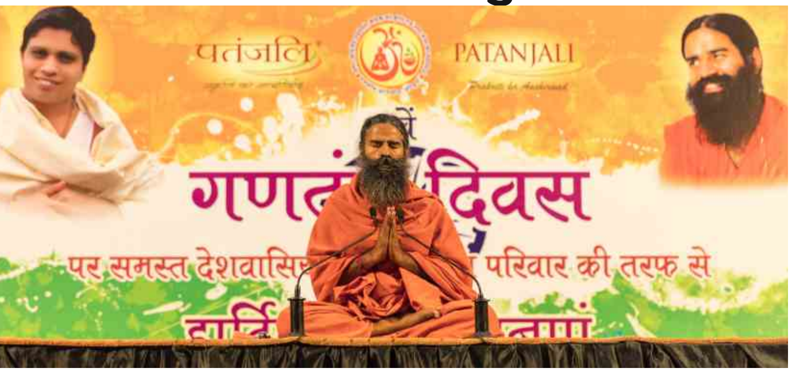

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ में 69वाँ गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज व पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी ने पतंजलि योगपीठ, पतंजलि फूड एवं हर्बल पार्क पदार्थों में राष्ट्रीय उत्थान के संकल्प के साथ ध्वजारोहण कर समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि देश को आर्थिक गुलाम से आजादी दिलाना हमारा संकल्प है।

सेवाव्रती बहनों ने राष्ट्र गीत 'वंदे मातरम्' का गायन किया और आचार्यकुलम् के छात्रा-छात्राओं ने मार्च पास्ट किया। इस अवसर पर श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने देशभक्ति, राष्ट्रसेवा व स्वदेशी से प्रेरित अपने संबोधन में कहा कि सात लाख से अधिक वीर-वीरांगनाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजाद करवाया और सबको स्वाधीनता, स्वाभिमान व गौरव के साथ जीने का अधिकार दिलाया। आज से ठीक 69 वर्ष पूर्व एक व्यवस्था लागू की गई और देश को चलाने के लिए एक संवैधानिक स्वरूप दिया गया। एक सिस्टम में रहकर तंत्र की व्यवस्था चलाने के लिए इसे गणतंत्र कहा गया। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि वीर बलिदानियों ने जिस गौरवमयी स्वतंत्र भारत की परिकल्पना की थी आज उसे साकार करने के लिए संकल्पित होने का दिन है। पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि शहीदों के स्वप्नों को मूर्तरूप देने के लिए हमें राष्ट्रयज्ञ में जीवन रूपी समाधि अर्पित करनी होंगी। देश की पावन परम्परा, संस्कृति व संविधान के रूप में जो व्यवस्था मिली है उसे अखंड बनाए रखने का संकल्प लें।

*–साभारः अमर उजाला**

पतंजलि और वन पंचायतों करेंगी जड़ी-बूटी की खेती

देहरादून। प्रदेश में जड़ी बूटी के उत्पादन और प्रोसेसिंग के लिए पतंजलि और वन पंचायतें मिलकर काम करेंगी। आयुष शिक्षा और वन मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत और पतंजलि विश्वविद्यालय के उप कुलपति पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी के बीच इसे लेकर विधानसभा में बैठक हुई।

बैठक में वन मंत्री डॉ. हरक सिंह रावत जी ने पतंजलि और प्रदेश की 750 वन पंचायतों में जड़ी-बूटी कृषिकरण एवं प्रोसेसिंग कार्य साथ करने की कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। कहा कि पतंजलि योगपीठ इन वन पंचायतों में पैदा होने वाली जड़ी-बूटी का सर्वे, पौध की उपलब्धता के लिए नर्सरी विकसित करने, बेरोजगारी युवाओं को जड़ी-बूटी संकलन कार्य से जोड़ने तथा काश्तकारों से सपोर्ट प्राइज पर जड़ी-बूटी खरीदने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश स्थित सुशील तिवारी हर्बल गार्डन का विकसित करने के लिए पतंजलि योगपीठ को लीज पर दिये जाने की संस्कृति माननीय मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत जी पहले ही कर चुके हैं। उन्होंने पूज्य आचार्य श्री से कहा कि हर्बल गार्डन को उत्तराखण्ड में जुड़ी-बूटी की उपलब्ध लगभग 18 हजार प्रजातियों के टेम्परेट गार्डन के रूप में विकसित किया जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. रणवीर सिंह, जायका प्रोजेक्ट के मुख्य परियोजना निदेशक अनूप मलिक, अपर सचिव वन डॉ. धीरज पाण्डेय और राजाजी के निदेशक सनातन आदि उपस्थित रहे।

पतंजलि योगपीठ के स्थापना दिवस पर किया योग
एमओयू योग और आयुर्वेद को दिलाएगा विश्व स्तर पर पहचान

धर्मशाला। पतंजलि एवं भारत स्वाभिमान न्यास संस्थान की ओर से 23वाँ स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। स्थापना दिवस पर देशभर में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से जुड़े सदस्यों ने योग, यज्ञ, आयुर्वेद और स्वदेशी संकल्प लिया। भाई सुकेश जी ने बताया कि कांगड़ा के डीएवी स्कूल गोहजू, गांव बशनुर और स्पीति हॉस्टल रक्कड़ में योग एवं यज्ञ करवाकर स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर महिला पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी कमलेश, नर्वदा, मधुबाला, उमेश, हरनाम सिंह, तहसील प्रभारी तपेंद्र, पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी कैप्टन प्रीतम, ओंकार, गुलेरिया, जयपाल, हरनाम व अन्य उपस्थित रहे।

पतंजलि योगपीठ का २३वाँ स्थापना दिवस मनाया

पलवल। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि योग समिति के तत्वाधान में बाल भवन में पतंजलि योगपीठ का 23वाँ स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि महिला पतंजलि योग समिति हरियाणा की प्रभारी माता सत्या जी थी। संचालन भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी हेमदत्त जी ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत यज्ञ के साथ की गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले योग प्रशिक्षकों तथा बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में खिरबी व गढ़ी पट्टी के बच्चों ने योग का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। समिति के जिला प्रभारी सुधीर कुमार ने कार्यकर्ताओं से स्वदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल कर राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर चरण सिंह, जगदीश, बिजेंद्र, वीरपाल, कुमरवती, महावीरी, सुदेश, ललित, उदयपाल, श्रीराम, सतवीर, राजकुमार, युद्धवीर व जिला योग प्रचारक सतीश मुख्य रूप से मौजूद थे।

स्थापना दिवसः स्वामी जी ने दिलाई भारत को कई बड़ी उपलब्धि

जौनपुर, उ.प्र.। भारत स्वाभिमान न्यास की 23वीं स्थापना दिवस आर्य समाज मंदिर में मनाया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर जी ने कहा कि 23 वर्षों में योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज द्वारा योग, आयुर्वेद व वैदिक सभ्यता और संस्कृति को विश्व पटल पर स्थापित करना न केवल मानव इतिहास की एक अद्वितीय घटना है, बल्कि योग के क्षेत्र में भारत को विश्व गुरु के रूप में पुन: स्थापित करना बहुत बड़ी उपलब्धि भी है। इसके पहले सुबह से ही जनपद के विभिन्न हिस्सों में जनजागरण अभियान के तहत जगह-जगह शिविर का आयोजन किया गया। शिविरार्थियों को रोगानुसार विभिन्न प्रकार के सरल आसन, व्यायाम और प्राणायम कराया गया। साथ ही उसकी उपयोगिता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संकल्प दिलाया गया। शशिभूषण, प्रो. वीडी. शर्मा, आचार्य कृष्णमुरारी, प्रधान देवेंद्रनाथ, डॉ. हेमंत, विजय, श्रवण, आदि मौजूद रहे। अन्त में प्रान्तीय सह प्रभारी अचल हरीमूर्ति ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वदेशी को घर-घर तक पहुँचाने का संकल्प

कोसीकलां, मथुरा। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट की ओर से नंदगांव रोड़ स्थित कार्यालय पर यज्ञ का आयोजन किया गया। तत्पश्चात् स्कूली बच्चों ने योग किया। ट्रस्ट के स्थापना दिवस के मौके पर जिला प्रभारी डॉ. अमर सिंह पौनिया ने कहा कि योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज व पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने भारत स्वाभिमान ट्रस्ट को ज्यादा जिम्मेदारी देकर देश के निर्माण में सहयोग करने का जो भरोसा दिया है उसे कायम रखा जाएगा। गोष्ठी में स्वदेशी उत्पादन से लेकर स्वदेशी खानपान, स्वदेशी वैदिक भारतीय संस्कृति के बारे में चर्चाएं की गई। इस दौरान डोरीलाल, कुश, गायत्री, राधेश्याम, रोशनलाल, रेखा, सुमन, प्रिया आदि ने स्वदेशी अपनाकर अपने देश धर्म का पालन करने का संकल्प लिया।

भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योगपीठ के 23वाँ स्थापना दिवस मनाया.....

आबूरोड़, राजस्थान। रेलवे स्पोर्ट्स ग्राउंड में भारत स्वाभिमान न्यास एवं दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट का 23वां स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। इस दौरान योग शिक्षकों एवं योग साधकों को स्वदेशी का प्रयोग एवं योग, आयुर्वेद व वैदिक संस्कृति के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया गया। पदाधिकारियों ने श्रद्धेय स्वामी जी महाराज का संदेश पढ़कर सुनाया तथा उनके द्वारा किए गए आह्वान के तहत विदेशी सामानों का बहिष्कार करने का आग्रह किया गया। पतंजलि योग समिति राज्य प्रभारी समंदरसिंह, संरक्षक भैरव सिंह, कीर्ति, महामंत्री हुकमीचन्द, नगर प्रभारी हरिसिंह, अमर, लाभशंकर, सुनीता, तरुण एवं मांगूसिंह आदि मौजूद रहे।

परम श्रद्धेय स्वामी जी महाराज के आगामी शिविर

क्र.सं.	दिनांक	जिला	राज्य
1.	4, 5, 6, फरवरी, 2018 (दिन- रविवार, सोमवार व मंगलवार)	बेल्लारी	कर्नाटक (दक्षिण)
2.	20, 21 व 22 फरवरी, 2018 (दिन- मंगलवार, बुधवार व गुरुवार)	चन्द्रपुर	महाराष्ट्र (पूर्व)
3.	24, 25 व 26 फरवरी, 2018 (दिन- शनिवार, रविवार व सोमवार)	जालना	महाराष्ट्र (पश्चिम)
4.	27, 28 फरवरी व 1 मार्च, 2018 (दिन- मंगलवार, बुधवार व गुरुवार)	वाशिम	महाराष्ट्र (पूर्व)
5.	17, 18 व 19 मार्च, 2018 (दिन- शनिवार, रविवार व सोमवार)	शोलापुर, (अकलकोट)	महाराष्ट्र (पश्चिम)

धूमधाम से मनाया गया स्थापना दिवस

अल्मोड़ा। रानीधारा स्थित राजकुमार सदन में भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योगपीठ का स्थापना दिवस मनाया गया। इस मौके पर यज्ञ व योगाभ्यास किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत गायत्री मंत्र से हुई, इस दौरान विवेकानन्द स्कूल के बच्चों ने भी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने स्थापना दिवस के मौके पर भजन भी गाए। इस मौके पर समिति की संरक्षिका धनी शाही, जिला प्रभारी रूप सिंह, पूर्व जिला प्रभारी भूपेन्द्र, बीसी पांडे, कृपाल सिंह, पूजा सत्यपाल, हषवर्धन, शीला, दीपा, नवीन, सौरभ समेत कई लोग मौजूद रहे।

स्थापना दिवस पर योग जागरण रैली और विशेष योग ज्ञान सभा का आयोजन
स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए पतंजलि योग संस्थान ने प्रेरित किया

दमण, गुजरात। देश और दुनिया के लोगों को स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने वाली पतंजलि योग संस्थान ने 23वां स्थापना दिवस मनाया। दुनिया को बदल कर रख देने वाले विशाल संस्थान पतंजलि योगपीठ के 23वें स्थापना दिवस पर पूरे देश में अनेको कार्यक्रम आयोजित किये गये। दमन पतंजलि योग समिति के प्रभारी राजू भाई पटेल के नेतृत्व में दमन के विवेकानन्द स्पोर्टस ग्राउंड पर प्रात: विशेष योग शिविर के बाद 7 बजे योगासन, स्वदेशी व्याख्यान के बाद राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत भव्य योगजागरण यात्रा रैली निकाली गई। इसमें दमन और आसपास के सैकड़ों भाई-बहनों ने भाग लिया।

यह कार्यक्रम मुख्य योग प्रभारी राजू पटेल के नेतृत्व में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट प्रभारी रमेश डाबुलकर, महिला प्रभारी मनीषा, सह प्रभारी अजित जी, सहयुवा प्रभारी शैलेश, सहयोगी योग शिक्षक अमृत, महेश, योग संरक्षक वरिष्ठ समाजसेवी श्री बलवंत भाई के तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस स्थापना दिवस के कार्यक्रम में दमन के आयोजक गणमान्य सदस्य राजेंद्र, विनोद, अरुण, अखिलेश, प्रभु भाई और बड़ी संख्या में योग साधक भाई-बहनों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिक निभाई।

योग-शिविर : कोरपना में योग-प्राणायाम शिविर

गडचांदुर, महाराष्ट्र। भारत स्वाभिमान, युवा भारत जिला चंद्रपुर महिला पतंजलि योग समिति तथा कोरपना तहसिल समिति के साथ ही द्रोणाचार्य सार्वजनिक वाचनालय के संयुक्त तत्वाधान में नि:शुल्क योग प्राणायाम शिविर का आयोजन किया गया। प्रभाग क्रम 1 के मैदान में सम्पन्न इस शिविर में जिला प्रभारी गोपाल मुंदड़ा, राजुरा प्रभारी अजय, कोरपना प्रभारी पार्वता, दिपा, कविता, किशोरी आदि ने मार्गदर्शन किया।

इस शिविर में योग-प्राणायाम के महत्त्व व आज की जरूरत के साथ ही वर्तमान पर्यावरण पर भी मार्गदर्शन किया। समापन दौरान जिला बैंक संचालक विजय बावणे, उत्तम, पार्षद सुभाष तुराणकर, डॉ. अरुण, प्राचार्य वानखेडे, चांदुरकर, डोहे आदि उपस्थित रहे। प्रशांत, अनुप, कुशाब, विशाल, दीपक, अक्षय, राकेश, इंगोले, अभिजित बंडू आदि भी उपस्थित रहे।

क्या कोई सिगरेट व शराब नशे आदि का व्यापार करने वाला पिता ये चाहता है कि उसके मासूम बच्चे नशे के विनाशकारी कुचक्र में फंसकर, अपना जीवन व जवानी बर्बाद करें। -स्वामी रामदेव

रक्तदान शिविरः रक्तदान सच्ची सेवा : स्वामी जी

पराक्रम सिक्योरिटी के दो सौ कर्मयोगियों ने किया 'रक्तदान'

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ के 23वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में पराक्रम सिक्योरिटी इंडिया के डायरेक्टर सुमेर सिंह, समेत लगभग दो सौ कर्मयोगियों ने रक्तदान किया। पतंजलि योगपीठ द्वितीय चरण के हॉल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का शुभारम्भ करते हुए योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि आपका खून कई जिंदगियों को बचाता है। रक्तदान का महत्त्व हमें तब पता चलता है जब हमारा कोई अपना जिंदगी और मौत के बीच जूझता है और हम उसका जीवन बचाने के लिए एक यूनिट खून के इंतजाम करने के लिए जद्दोजहद करते हैं। श्रद्धेय स्वामी जी महाराज ने कहा कि रक्त ऐसा तत्व है जिसका किसी भी प्रकार से उत्पादन नहीं किया जा सकता। इसका और कोई विकल्प नहीं है। केवल मानव की मानव के प्रति सच्ची सेवा ही एकमात्र साधन है। रक्त की कमी के कारण देश में प्रतिवर्ष लाखों लोगों की मृत्यु हो जाती है। इस अवसर पर पराक्रम सुरक्षा के निदेशक सुमेर सिंह ने रक्तदाताओं को जागरूक किया। मालूम हो कि 5 जनवरी को पतंजलि योगपीठ का 23वाँ स्थापना दिवस है। पराक्रम सुरक्षा से जवानों ने रक्तदान कर समाजसेवा का सच्चा संकल्प लिया।

» सेक्टर-32ए में पतंजलि स्थापना दिवस मनाया

चंडीगढ़। युवा भारत चंडीगढ़ की ओर से पतंजलि योगपीठ व भारत स्वाभिमान के स्थापना दिवस को सेक्टर-32ए के हनुमान मंदिर में मनाया गया। इस अवसर पर युवा भारत के राज्य प्रभारी जनक मंगोत्रा, आरआर पासी, रोहित राणा, डॉ. अश्वनी, योग प्रचारक बहन अंजना द्वारा कार्यक्रम में योग आयुर्वेद स्वदेशी वैदिक संस्कृति की निष्काम सेवा साधना एवं संघर्ष के 23वें वर्ष के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण सामूहिक सत्संग, योग कक्षा, यज्ञ, स्वदेशी संकल्प आदि विविध रूप में चर्चा की। सुरेन्द्र व शशि बंसल जी ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरित किया गया।

» समिति द्वारा स्थापना दिवस पर कार्यक्रम हुआ

कवर्धा, छत्तीसगढ़। जिला पतंजलि योग समिति कबीरधाम के तत्वाधान में 5 जनवरी को भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि परिवार महिला पतंजलि युवा भारत पतंजलि किसान सेवा समिति सामूहिक रूप से स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम मनाया अपराह्न 2 बजे स्थान आर्य भवन में आयोजित उक्त कार्यक्रम में योग आयुर्वेद स्वदेशी वैदिक संस्कृति की निष्काम सेवा साधना एवं संघर्ष के 23वें वर्ष के उपलक्ष्य में ध्वजारोहण सामूहिक सत्संग, योग कक्षा, यज्ञ, स्वदेशी संकल्प आदि विविध रूप में है अतः उक्त आशय की जानकारी जिला योग समिति के प्रभारी श्री शीतल साहू जी ने दिया।

योग-शिविर : योग से स्वस्थ रहता है तन-मन

राउरकेला, ओडिशा। पतंजलि सकता है। योग समिति की ओर से जगदीश जी बिरमित्रपुर पंचायती धर्मशाला एवं कन्हैया ने में तीन दिवसीय योग शिविर भी अपने लगाया गया। इसका उद्घाटन विचार रखे। प्रदीप पटेल ने किया और शिविर में तन-मन को स्वस्थ रखने के लोगों को लिए योग को आवश्यक बताया। विभिन्न उन्होंने कहा कि असंयमित योगाभ्यास जीवनशैली के कारण लोग रोग कराने के का शिकार हो रहे हैं। संयम व साथ-साथ योग के फायदे भी बताए गये। समिति के संयोजक मोहन योग से रोग को दूर किया जा दोदराज ने किया।

जागरूकता रैलीः बिलावर में गूंजे भारत माता के जयघोष

बिलावर, जम्मू-कश्मीर। स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती विभिन्न तहसीलों में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता के अलावा जागरूकता रैली भी निकाली गई। मुख्य कार्यक्रम स्थानीय इकाई द्वारा देबल गांव में आयोजित किया गया। इसके अलावा पतंजलि योग समिति, युवा भारत संगठन, एकल अभियान आंचल बसोहली द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर स्वामी विवेकानन्द जी को याद किया गया। देबल गांव में द्वारा आशीष शर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्वामी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने भारत को विश्वगुरु बनाने का जो सपना देखा था उसे हम सबको मिल कर पूरा करना हैं आज देश के सामने कई चुनौतियां खड़ी हुई हैं, जिन्हें हल कर आगे बढ़ना हमारा कर्तव्य है। वक्ताओं ने कहा कि स्वामी जी ने सदा ही देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। हम सबको उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का काम करना है। इस अवसर पर पवन, विवेक, संजीव, केशव, सुनीता आदि उपस्थित थे। *(ब्यूरो)*

नागालैंड में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल विकास संस्थान ....

......पेज नं.1 का शेष

उन्होंने कहा, संस्था नागालैंड में न केवल उत्कृष्ट उत्तरोत्तर केन्द्र बनाने की क्षमता रखती है, वरन पूरे उत्तर पूर्व में भी हो सकता है। उन्होंने पहल के लिए उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग को बधाई दी। माननीय गृहमंत्री श्री कजोलुओ निन्यू जी ने प्रयासों के लिए सभी संभव सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। निनियू जी ने भी श्रद्धेय स्वामी जी महाराज के शब्दों का हवाला देते हुए कहा, 'काम आराधना है' और यह कि पतंजलि मिशन देश के हर जगह और कोने-कोने को विकसित करना है। सलाहकार, एचटीए थॉमस लोथा जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, अपने भाषण में इस बीच स्पष्ट किया कि इन परियोजनाओं के लिए धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने इस परियोजना की सफलता सभी को लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी घोषणा किया कि पतंजलि संस्थान का दौरा करने के लिए टूर्नामेंट के लिए पड़ौसी गांवों में 30% का चयन किया जाएगा, ग्रामीणों द्वारा एक लोक नृत्य के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ। उच्च और तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव श्री त्सांगलाओ द्वारा श्री राकेश कुमार जी (मुख्य केन्द्रीय प्रभारी) के मार्गदर्शन में नागालैंड के कार्यकर्ताओं श्री एस.एन. शर्मा जी, कृष्णानन्द जी, विकास जी (असम), गोपेन्द्र जी (मणिपुर), रिब्रेन हेलरी लांघू जी (मणिपुर) इत्यादि का योगदान धन्यवाद प्रस्तुति भी किया।

» पतंजलि को ग्लोबल बनाने की तैयारी......

अनुबंध कर रही है। कम्पनी का मानना है कि पतंजलि के प्रतिष्ठानों ने कुछ ही समय में यूनिलिवर, कॉलगेट, पामोलिव और डाबर जैसे ग्रुपों को भी चुनौती दी है। ठकरान और पूज्य आचार्य श्री के बीच हुई वार्ता में पतंजलि हर्बल पार्क को ग्लोबल बनाने के लिए कई प्रस्ताव सौंपे गये है। कंपनी का मानना है कि यदि पतंजलि ने साझेदारी स्वीकार कर ली तो दोनों की कम्पनियों को यूरोप, अमेरिका, जापान, चीन और कोरिया में बहुत बड़ा बाजार मिलेगा। वार्ता के अनुसार अभी स्वदेशी का मुद्दा एक अड़चन के रूप में सामने आता रहा है। अब इसके लिए भी बीच का रास्ता निकाला जा सकता है। यदि सब कुछ ठीक रहा तो वह दिन दूर नहीं जब देश के बाजार पर छा चुकी पतंजलि ग्लोबल हो जाएगी।

*–साभार: अमर उजाला**

स्थापना दिवसः पतंजलि में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वसंतोत्सव

» माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि में मनाया जाने वाला बसंत पंचमी पर्व

हरिद्वार। वसंत पंचमी का त्योहार पतंजलि योगपीठ में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ पतंजलि योगपीठ परिसर में स्थित विशाल यज्ञशाला में यज्ञ के साथ किया गया। इस अवसर पर पतंजलि परिसर आयुर्वेद को प्रदर्शित करती हुई रंगोलियों से सजाया गया। आयुर्वेद के साथ गहराई से जुड़े इस त्यौहार पर पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय, पतंजलि विवि, वैदिक गुरुकुलम् तथा वैदिक कन्या गुरुकुलम् के छात्र-छात्राओं में उत्साह व उमंग की लहर दिखाई दी।

इस अवसर पर पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि वसंत पंचमी का यह अवसर आयुर्वेद और प्रकृति के सबसे करीबी त्यौहार है। यह उत्सव सम्पूर्ण प्रकृति को नये उत्साह से भर देता है। पेड़-पौधें व वनौषधियों पर नई कोंपलें आना शुरू होती है। इसी प्रकार हमारे जीवन में भी नये उत्साह एवं उमंग का संचार होता है। पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि मनुष्य प्रकृति के अधीन हैं। अतः जितना उसके साथ रहेगा उतना ही स्वस्थ व खुशहाल रहेगा। जो प्रकृति के विपरीत चलेगा वह नष्ट हो जायेगा। आज का दिन प्रकृति के साथ रहने का अवसर है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि में मनाया जाने वाला बसंत पंचमी का यह पर्व भी है। आज हम अंधकार से निकलकर प्रकाश की ओर प्रेरित हो। उन्होंने कहा कि विद्या की देवी माँ सरस्वती की पूजा यज्ञ के द्वारा करना हमारी लाखों-करोड़ों वर्ष पुरानी परम्परा हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के द्वारा पतंजलि विवि के प्रांगण में वसंत के इस शुभ उत्सव पर कुलपति डॉ. कुलवंत जी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कपिल आदि ने माँ सरस्वती की पूजा अर्चना की तथा स्वयं सेवकों ने सरस्वती वंदना, भजन, कीर्तिन एवं पतंग उड़ाकर इस पर्व को मनाया।

*–साभार: अमर उजाला**

परम पूज्य योगऋषि स्वामी जी, श्रद्धेय आचार्य श्री और
भारत स्वाभिमान के
सोशल मीडिया अभियान से अवश्य जुड़े

www.facebook.com/swami.ramdev | www.facebook.com/AcharyaBalkrishanJi
www.facebook.com/bharatswabhimantrust | www.facebook.com/acharyakulam
www.facebook.com/yuvabharat. official | www.facebook.com/kisanpanchayat1
www.facebook.com/PatanjaliAyurved.net | www.facebook.com/pyptharidwar
www.facebook.com/aasthatv | www.facebook.com/Universityofpatanjali
www.facebook.com/PatanjaliYogGram | www.facebook.com/VedVedang

twitter.com/yogrishiramdev twitter.com/Ach_Balkrishna twitter.com/bst_official
www.youtube.com/user/TheBHARATSWABHIMAN www.youtube.com/user/acharyabalkrisha
www.youtube.com/user/patanjaliayurveda www.youtube.com/user/acharyapradumnji
https://instagram.com/swaamiramdev/ https://instagram.com/patanjaliproducts//
https//www.pinterest.com/Swaamiramdev/ https://www.pinterest.com/bharatswabhiman/
https://www.pinterest.com/patanjaliutpad/
http://swamiradev.tumblr.com

पूज्य स्वामी जी ‖ 09643418434 श्रद्धेय आचार्य जी ‖ 07042470402
नोट- व्हाट्स ऐप में जुड़ने के लिये पहले इन नं० को अपने मोबाईल में सेव करें तथा अपने मोबाईल से इन नम्बरों पर ओ३म् लिख कर SMS करें और ग्रुप से जुड़ने के बाद इस पर भेजी गई फोटो, विडियो आदि को अपने सभी मित्रों और जानकारों को भेजें।

रिपोर्ट भेजने के लिए ई-मेल, फेसबुक, ट्वीटर ID
patanjaliyog@bharatswabhimantrust.org डॉ. जयदीप आर्य जी (मुख्य केन्द्रीय प्रभारी)
www.facebook.com/jaiarya1973 | www.facebook.com/jaideep.arya.982 | https://twitter.com/@swabhimani1
bstpyp@bharatswabhimantrust.org श्री राकेश कुमार जी (मुख्य केन्द्रीय प्रभारी)
www.facebook.com/rakeshkumarMKP | www.facebook.com/rakesh.swabhimani | https://twitter.com/@rakeshpypt
mpysharidwar@bharatswabhimantrust.org आचार्या डॉ. सुमना जी (मुख्य महिला केन्द्रीय प्रभारी)
www.facebook.com/acharya.sumna | https://twitter.com/@acharya_sumna

वेब-साइट्स

www.bharatswabhimantrust.org	(भारत स्वाभिमान)	www.bharatswabhiman.in	(भारत स्वाभिमान-डाटा बैंक)
www.patanjaliayurved.net	(ऑनलाइन खरीद)	www.bharatswabhimansamachar.in	(विडियो गैलरी)
www.swadeshswabhiman.com	(मासिक समाचार पत्र)	www.vedvedangshiksha.in	(वेद वेदांग शिक्षा)
www.divyayoga.com	(पतंजलि योगपीठ)	www.rajivdixit.in	(राजीव दीक्षित)
www.universityofpatanjali.com	(पतंजलि विश्वविद्यालय)	www.yoggram.divyayoga.com	(योग ग्राम)
www.gangarakshamunch.com	(गंगा रक्षा मंच)	www.acharyakulam.org	(आचार्यकुलम्)
www.patanjaliresearchfoundation.com/patanjali		www.patanjalinashamukti.org	(नशामुक्ति)

महत्वपूर्ण फोन नं. व ई-मेल (किसी भी जानकारी के लिये सुबह 10:00 से 5:00 सांय कार्यालय दिवस पर)

भारत स्वाभिमान केंद्रीय कार्यालय	- 01334-273000	- bstho@@bharatswabhimantrust.org
पतंजलि योगपीठ	- 01334-240008, 244107, 246737	- divyayoga@rediffmail.com
आचार्यकुलम्	- 01334-273021	- info@acharyakulam.org
योगग्राम	- 01334-283522, 283523	- yoggram@divyayoga.com
पतंजलि विश्वविद्यालय	- 01334-242526	- info@universityofpatanjali.com
सेवाव्रती कार्यालय	- 8979010504	- karyalaya@vaidicgurukulam.org
योग संदेश	- 9837342769	- yogasandesh@divyayoga.com
पतंजलि ग्रामोद्योग न्यास	- 01334-240008	- info@patanjaligramodhyognyas.com
योग प्रचारक	- 8954892435	- ypinfo@bharatswabhimantrust.org
पतंजलि आयुर्वेद लि. (पदार्था)	- 01334-227444	
पतंजलि बायोरिसर्च इंस्टीट्यूट	- 8755904985	- info@patanjalibio.com

– अन्य महत्वपूर्ण ई-मेल –
sampark.samvad@bharatswabhimantrust.org – संवाद विभाग | donation@divyayoga.com – पतंजलि योगपीठ में दान देने हेतु
patanjalicenters@patanjaliayurved.org – सेवा केन्द्र, आरोग्य केन्द्र लेने हेतु | bstfinance@divyayoga.com – भारत स्वाभिमान में दान हेतु
स्वदेश स्वाभिमान समाचार पत्रः E-mail- swadeshswabhiman@bharatswabhimantrust.org, www.facebook.com/swadeshswabhiman
bstac@bharatswabhimantrust.org ऑडिट रिपोर्ट भेजने के संदर्भ में || [E-mail: pypresearch@divyayoga.com] (योग अनुसंधान)

स्वस्थ, सुखी व शान्तिमय जीवन के लिए योग सीखिए, रोज सुबह 5:00 से 7:30 बजे आस्था पर

पतंजलि योगपीठ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की मुख्य झलकियाँ

श्रद्धेय स्वामी जी महाराज एवं पूज्य आचार्य श्री द्वारा पतंजलि आयुर्वेद ने एक साथ ई-कॉमर्स क्षेत्र की आठ बड़ी कंपनियाँ पेटीएम, अमेजन, ग्रोफर्स, बिगबास्केट, शॉपक्लूज, नेटमेड्स, 1एमजी जैसी ई-कॉमर्स वेबसाइटों के जरिये ग्राहक पतंजलि के उत्पाद घर बैठे मंगवाने की सेवा ''हरिद्वार से हर द्वार'' तक का शुभारम्भ किया।

पतंजलि योगपीठ के 23वें स्थापना दिवस पर श्रद्धेय स्वाजी महाराज, पूज्य आचार्य श्री।

मेरठ में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी जन्यती पर कवि महोत्सव में श्रद्धेय स्वाजी महाराज व कवि हरिओम पवार।

बेंगलूर में स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान द्वारा पूज्य आचार्य श्री को डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया।

बेल्झरी, कर्नाटक में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज को केंद्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ जी व संतों द्वारा मानवसेवा के योगदान के लिए सम्मानित किया।

नई दिल्ली हवाईअड्डे टर्मिनल पर ई-कॉमर्स पहल पर श्रद्धेय स्वामी जी महाराज, श्री मनोज सिंहा जी व श्री अनुराग ठाकुर जी द्वारा उद्घाटन।

श्रद्धेय स्वामी जी महाराज द्वारा पतंजलि उत्कृष्ट सेवा में पुरुषार्थी भाईयों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

नागालैंड के पेरिन में नागालैंड मुख्यमंत्री श्री टी.आर. जीलियान जी, गृहमंत्री खुजोहोलिया नीना जी, श्रद्धेय स्वाजी महाराज, पूज्य आचार्य श्री एवं श्री एन थॉमस नोथिया जी हेल्थ एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट केन्द्र का शिलान्यास हुआ।

सिक्किम के मुख्यमंत्री मा. श्री पवन चामलिंग जी व कृषि मंत्री श्री सोमनाथ पोडल जी से मुख्यमंत्री आवास पर शिष्टाचार भेंट हुई व योग-आयुर्वेद, स्वदेशी व वैदिक शिक्षा पर चर्चा की एवं आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया।

जम्मू के राजपरिवार द्वारा संचालित विद्यालय में छात्र-छात्रों को योग द्वारा स्वस्थ व निरोगी रहने का आशीर्वाद प्रदान किया व वृक्षारोपण भी किया।

आध्यात्म चेतना संघ सदस्य मंडल द्वारा पूज्य आचार्य श्री को 'गीता रत्न' से सम्मानित किया।

नेपाल से 11 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल पतंजलि योगपीठ पहुंचे व श्रद्धेय स्वामी जी महाराज व पूज्य आचार्य श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्रद्धेय स्वामी जी महाराज द्वारा आचार्यकुलम् वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद दिया।

पतंजलि योगपीठ में राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में श्रद्धेय स्वामी जी महाराज द्वारा विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

चण्डीगढ़ में TED X कार्यक्रम में पूज्य आचार्य श्री द्वारा युवाओं को योग, आयुर्वेद, स्वदेशी व संस्कृति पर उद्बोधन।

इंदौर, मुम्बई में पूज्य आचार्य श्री पतंजलि समृद्धि कार्ड के परिचय हेतु बैठक।

69वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर पतंजलि में आयोजित विशेष कार्यक्रम।

लकुला यूनिवर्सिटी सेमिनार में डॉ. जयदीप आर्य जी को सम्मानित किया, चन्द्रपुर महाराष्ट्र में 69वें गणतन्त्र दिवस पर ध्वजारोहण व होसपोट (कर्नाटक) में नेता जी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती कार्यकर्त्ता भाई-बहनों द्वारा उत्साह पूर्वक मनाया।

नागालैंड शिलान्यास में आशीर्वाद प्रदान करते श्रद्धेय स्वामी जी महाराज, पूज्य आचार्य श्री व आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते भाई राकेश कुमार जी (मुख्य केंद्रीय प्रभारी), विकास जी,एस.एन. शर्मा जी, कृष्णानंद जी, विकास जी, गोपेंद्र जी, रिब्रेन हेलरी लांघू जी।

बेल्लारी (कर्नाटक), जालना, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र-पूर्व) में योग, आयुर्वेद व स्वदेशी को बढ़ाने के लिए प्रांतीय बैठक लेती बहन आचार्या डॉ. सुमना जी (महिला मुख्य केंद्रीय प्रभारी) व रश्मि जी, कश्मीरा जी, मेधा जी, शोभा जी, आशा जी, भारती जी, भाई बाबू पाडलकर जी उपस्थित रहे।

स्वामी, सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक राकेश द्वारा ऋषि ऑफसैट प्रिन्टर्स, वेद मंदिर, अशोक टॉकीज के सामने, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से छपवाकर 101, विद्या विहार कॉलोनी, कनखल, हरिद्वार-249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरिद्वार होगा।

योग-शिविर : योग चिकित्सा और ध्यान शिविर 4 से

बल्लारी। पतंजलि योग समिति भारत स्वाभिमान बल्लारी की ओर से 4, 5 और 6 फरवरी को तीन दिवसीय योग चिकित्सा एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज मार्गदर्शन करेंगे। बल्लारी, कर्नाटक में केन्द्रीय अनन्त कुमार हेगड़े, सांसद श्रीरामुलु, पूर्व विधायक सोमशेखर रेड्डी, पतंजलि योग समिति के प्रान्त प्रभारी भंवरलाल आर्य जी ने योग शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। *–साभार: राजस्थान पत्रिका**

देश से बाहर निकालना होगा जातिवाद का जहर: स्वामी जी

मेरठ। 18 साल से पहले बच्चे को जाति का नहीं पता चलता है, लेकिन जब वह वोट देने जाता है तो उसे जाति बताकर जहर घोलने का काम किया जाता है। देश से जाति का जहर बाहर निकालना होगा, ऐसी शिक्षा की जरूरत है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जन्म दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर मेरठ में आयोजित कार्यक्रम में योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने ये बातें कहीं।

हर मंच पर करता हूँ देश की बात: उन्होंने कहा कि मैं स्वभाव से सर्वदलीय और निर्दलीय हूँ। मैं पाप छोड़कर देशहित में सभी कार्य करूँगा। कुछ लोग मेरे कपिल शर्मा के शो में जाने का विरोध जताते हैं, लेकिन मैं उसे अपना शो मानकर जाता हूँ क्योंकि वहां मुझे ढाई करोड़ लोग सुनते हैं। किसी भी मंच पर जाता हूँ तो देश की बात करता हूँ। मुझे बिग बॉस में एक झलक दिलाने के लिए पांच करोड़ का ऑफर दिया गया, लेकिन मैंने इसे ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि मुझे अखबार और टीवी देखना पसंद नहीं है। हमेशा ऐसे बनने की सोचो कि लोग तुम्हें देखें और पढ़ें।

कोई भी अपने नाम के आगे लगा लेता है बाबा: उन्होंने कहा कि इस देश में कोई भी अपने नाम के आगे बाबा लगा लेता है। जिसमें कोई किसी जेल में बैठा है तो कोई किसी जेल में। मेरे पास 50 साल का मास्टरप्लान तैयार है। इस बार की रामनवमी से मैं 1000 विद्वान और एक करोड़ से ज्यादा बच्चों को शिक्षा देने की तैयारी कर ली है।

कोलगेट, लक्स और लाइफबॉय की अंत्येष्टि: मैं वीरों का उपासक हूँ। मैंने साबुन ही तो बेचा है देश तो नहीं। आने वाले समय में हम कोलगेट, लक्स और लाइफबॉय की अंत्येष्टि मनाएंगे। 2025 तक पतंजलि एक लाख करोड़ से बढ़कर पांच लाख करोड़ की कम्पनी बन जाएगी।

आलोचनाओं से कभी नहीं घबराता: सार्वजनिक जीवन में 30 साल से अधिक हो गए। लेकिन आलोचनाओं से कभी नहीं घबराया। खून के रिश्ते में भी खूब आलोचना करते हैं, लेकिन हमें परवाह नहीं। एक करोड़ लोग भी मेरी आलोचना करें, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी करें तब भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मेरे साथ 100 करोड़ लोग हैं क्योंकि मैं धर्म और सत्य के मार्ग पर हूँ। *–साभार: जागरण**

स्थापना दिवस: भारत स्वाभिमान ने मनाया स्थापना दिवस

जालधंर, पंजाब। भारत स्वाभिमान, पतंजलि योग समिति, महिला पतंजलि योग समिति, युवा भारत एवं पतंजलि किसान सेवा समिति की तरफ से 23वां स्थापना दिवस मनाया गया। वात्सल्य योग ग्राम, टांडा रोड में आयोजित समारोह का आगाज यज्ञ के साथ हुआ। इस दौरान संस्थान के सदस्यों ने पावन आहुतियाँ दीं। इस मौके पर राजेन्द्र जी ने कहा कि आयुर्वेद के साथ जुड़कर कई तरह के रोगों से निजात पाई जा सकती है। इस दौरान उन्होंने संस्थान के कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर सीमा, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य, संजीव, सुरिंदर, चंद्रकांत, धीरज, हेमराज, रमेश, रेखा, कुसुम, रेनु, संजीव, अंजली मेहता व अन्य मौजूद रहे।

शुभारम्भ: पतंजलि में राष्ट्रीय कराटे खेल महाकुम्भ का आगाज

29 राज्यों में 850 से ज्यादा खिलाड़ी पहुँचे पतंजलि योगपीठ

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ में राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का महाकुम्भ शुरू हो गया है। तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता का उद्घाटन योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने किया। देश भर के 29 राज्यों के करीब 850 खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि नौजवान पीढ़ी की आत्मकथा के लिए कराटे खेल आज तेजी से लोकप्रिय होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेल के साथ-साथ मानव जीवन में योग का भी विशेष महत्त्व है। खेल और योग दोनों से मानव जीवन में ऊर्जा आती है।

इस 29वीं राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप 2018 का आयोजन ऑल इंडिया कराटे फेडरेशन के बैनर तले हो रहा है। उत्तराखंड राज्य को राज्य स्थापना के बाद पहली बार इस चैंपियनशिप की मेजबानी का अवसर मिला है। योगर्षि स्वामी रामदेव जी महाराज ने उत्तराखंड की मार्शल आर्ट की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल करने वाली खिलाड़ियों आरती सैनी, प्रज्ञा जोशी और नीलेश जोशी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद श्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि पतंजलि योगपीठ में कराटे की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में लघु भारत के दर्शन हो रहे हैं।

दूसरे सत्र में विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद्र अग्रवाल ने खेलों को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में उत्तराखण्ड के खिलाड़ी स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्राप्त करेंगे उन्हें क्रमशः पाँच हजार, तीन हजार और दो हजार की धनराशि पुरस्कार स्वरूप उनकी तरफ से प्रदान की जाएगी। साथ ही उन्होंने उत्तराखंड कराटे महासंघ को खिलाड़ियों के लिए एक लाख रुपये की कीमत का इनाम देने का ऐलान किया। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि पतंजलि योगपीठ हमेशा खिलाड़ियों का प्रोत्साहन करती रही है। कराटे खिलाड़ियों का महाकुम्भ एक अच्छी पहल है। ऑल इंडिया कराटे फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर निर्वाण ने कहा कि 29 राज्यों के 850 से ज्यादा खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर भारतीय कराटे महासंघ के महामंत्री नरेंद्र मोर, उपाध्यक्ष पीआर, रत्नमाला, संदीप, साल्वी, सुरेंद्र, जोजी अब्राहम, एसके रॉय आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राधिका नागरथ ने किया। *–साभार: उजाला**

स्वदेशीप्रचार: वृद्धाश्रम में किया स्वदेशी वस्तु किट का वितरण

23वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर सामूहिक योग शिविर व यज्ञ हुआ

दमोह। पतंजलि योगपीठ व भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के सेवा संकल्प स्वदेशी के गौरवशाली 23वें स्थापना दिवस के पावन अवसर पर प्रातः सामूहिक योग शिविर का आयोजन ग्राम भदौली में किया गया। जिसमें सभी ग्रामवासियों ने भस्त्रिका, कपालभांति, अनुलोम-विलोम का अभ्यास करने के बाद पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी पं. कृष्ण कुमार जी ने स्वदेशी संकल्प पत्र के लोगों को पढकर शपथ दिलाई उसके पश्चात् शिव मंदिर में यज्ञ किया गया। जिसमें पतंजलि महिला जिला प्रभारी सरस्वती विश्वनार्थ धुर्वे संगठन मंत्री डॉ. रशीद खान भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी, पं. विनोद दुबे कोषाध्याक्ष, गगन, जाहर सिंह, योग प्रचारिका बहन ज्योति की उपस्थिति रही। इसी क्रम में स्थानीय वृद्धाश्रम में स्वदेशी वस्तु किट का वितरण पतंजलि चिकित्सालय संचालक लोकेश राजपूत द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे एलआईसी के चीफ मैनेजर सुनील कुमार द्वारा कराया गया। एलआईसी मैनेजर श्रीवास्तव जी ने श्रद्धेय स्वामी जी महाराज के मानव जीवन को अमूल्य प्रतिनिधि के रूप में योग आयुर्वेद तथा स्वदेशी की बड़ी देन बताया जिसे व्यक्ति अपनाकर दीर्घायु हो सकता है। *–साभार: हरिभूमि**

स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाशः

28. **'यज्ञ'** उसको कहते हैं कि जिसमें विद्वानों का सत्कार, यथायोग्य शिल्प अर्थात् रसायन जो कि पदार्थविद्या, उससे उपयोग और विद्यादि शुभगुणों का दान, अग्निहोत्रादि जिनसे वायु, वृष्टि, जल ओषधि की पवित्रता करके सब जीवों को सुख पहुँचाना है, उसको उत्तम समझता हूँ।

29. जैसे **'आर्य'** श्रेष्ठ और **'दस्यु'** दुष्ट मनुष्यों को कहते हैं, वैसे ही मैं भी मानता हूँ।

30. **'आर्य्यावर्त्त'** देश इस भूमि का नाम इसलिए है कि इसमें आदिसृष्टि से आर्य्य लोग निवास करते हैं। परन्तु इसकी अवधि उत्तर में हिमालय, दक्षिण में विन्ध्याचल, पश्चिम में अटक और पूर्व में ब्रह्म नदी है। इन चारों के बीच में जितना देश है, उसको **'आर्य्यावर्त्त'** कहते और जो इनमें सदा रहते हैं उनको भी आर्य कहते हैं।

31. जो सांगोपांग वेदविद्याओं का अध्यापक, सत्याचार का ग्रहण और मिथ्याचार का त्याग करावे, वह **'आचार्य'** कहाता है।

32. **'शिष्य'** उसको कहते हैं कि जो सत्यशिक्षा और विद्या ग्रहण करने योग्य, धर्मात्मा, विद्याग्रहण की इच्छा और आचार्य का प्रिय करने वाला है।

33. **'गुरु'** माता-पिता और जो सत्य को ग्रहण करावे और असत्य को छुड़ावे, वह भी **'गुरु'** कहाता है।

34. **'पुरोहित'** जो यजमान का हितकारी सत्योपदेष्टा होवे।

35. **'उपाध्याय'** जो वेदों का एकदेश वा अंगों को पढ़ाता हो।

36. **'शिष्टाचार'** जो धर्माचरणपूर्वक ब्रह्मचर्य से विद्या ग्रहण कर, प्रत्यक्षादि प्रमाणों से सत्यासत्य का निर्णय करके सत्य का ग्रहण, असत्य का परित्याग करना है यही शिष्टाचार, और जो इसको करता है वह **'शिष्ट'** कहलाता है।

37. प्रत्यक्षादि आठ **'प्रमाणों'** को भी मानता हूँ।

38. **'आप्त'** जो यथार्थवक्ता, धर्मात्मा, सबके सुख के लिए प्रयत्न करता है, उसी को 'आप्त' कहता हूँ।

39. **'परीक्षा'** पाँच प्रकार की है। इसमें से प्रथम जो ईश्वर उसके गुण-कर्म-स्वभाव और वेदविद्या, दूसरी प्रत्यक्षादि आठ प्रमाण, तीसरी सृष्टिक्रम, चौथी आप्तों का व्यवहार और पाँचवीं अपने आत्मा की पवित्रता विद्या, इन पाँच परीक्षाओं से सत्यासत्य का निर्णय करके सत्य का ग्रहण, असत्य का परित्याग करना चाहिए।